

प्रेषक,

ओम प्रकाश
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून:

दिनांक: 09 सितम्बर, 2015

विषय- वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत राजकीय स्वायत्तता प्राप्त चिकित्सालयों के सुचारु संचालन हेतु द्वितीय किश्त की धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-5प/1/25/2015-16/21381 दिनांक 31.08.2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनेत्तर मद में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2210-01-110-15-राजकीय स्वायत्तता प्राप्त चिकित्सालयों के सुचारु संचालन के मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि ₹2600.00 लाख (छब्बीस करोड़ मात्र) के सापेक्ष पूर्व में अवमुक्त धनराशि के अतिरिक्त 25 प्रतिशत ₹650.00 लाख (छ: करोड़ पचास लाख मात्र) एवं लेखाशीर्षक-2210-03-110-13 राजकीय स्वायत्तता प्राप्त चिकित्सालयों के सुचारु संचालन के मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि ₹1200.00 लाख (बारह करोड़ मात्र) के सापेक्ष पूर्व में अवमुक्त धनराशि के अतिरिक्त पुनः 25 प्रतिशत ₹300.00 लाख (तीन करोड़ मात्र) अर्थात् कुल ₹950.00 लाख (रुपये नौ करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि संलग्न तालिका के अनुसार निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त कर आपके निर्वर्तन पर रखते हुये व्यय किये जाने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उपरोक्त उल्लिखित धनराशि इस शर्त के साथ अवमुक्त की जा रही है कि उक्त मद में अब तक अवमुक्त धनराशि का व्यय/ऑडिट विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र एक सप्ताह के भीतर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
2. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है।
3. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

१

4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु Procurement Rules, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग-1 के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
5. धनराशि व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
6. अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01.04.2015, शासनादेश संख्या-1080/XXVII(1)/2015 दिनांक 08.09.2015 में निहित निर्देशों का अनुपालन करते हुये सुनिश्चित किया जायेगा।
7. पूर्व में अवमुक्त की गयी धनराशि के व्यय का उपयोगिता प्रमाण पत्र संबंधित चिकित्सालयों से प्राप्त करने के उपरान्त ही भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। उक्त के अतिरिक्त इस शासनादेश के अन्तर्गत अवमुक्त की जा रही धनराशि के व्यय का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी एक पक्ष के अन्दर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
8. भारत सरकार को समय से सम्परीक्षित प्रतिपूर्ति के देयक प्रस्तुत किये जाय, जिसके अभाव में प्रतिपूर्ति दावों के भुगतान में कठिनाई/विलम्ब न हो।
9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत संलग्नकों में वर्णित लेखाशीर्षकों की प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-1080/XXVII(1)/2015 दिनांक 08 सितम्बर, 2015 में प्रदत्त वित्तीय प्रतिनिधायन अधिकारों के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

संलग्न : ऑन लाईन एलाटमेन्ट संख्या- S1509120070

भवदीय,

(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव

संख्या-1848 (1)/XXVIII-5-2015-30/2015 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबर्ग बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-1 व 3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से
(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव

संख्या-1849/XXVIII-5-2015-30/2015 दिनांक 09 सितम्बर, 2015 का संलग्नक

(धनराशि हजार ₹ में)

क्र. सं.		लेखाशीर्षक	कुल प्राविधानित धनराशि	अवमुक्त प्रथम किस्त (25%)	द्वितीय किस्त हेतु प्रस्तावित धनराशि
1	2210	चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य- आयोजनेत्तर			
	01	शहरी स्वास्थ्य सेवायें-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति			
	110	अस्पताल तथा औषधालय			
	15	राजकीय स्वायत्ता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान			
	20	सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	260000	65000	65000
2	2210	चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य- आयोजनेत्तर			
	03	ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति			
	110	अस्पताल तथा औषधालय			
	13	राजकीय स्वायत्ता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान			
	20	सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	120000	30000	30000
		कुल योग-	380000	95000	95000

(रूपये नौ करोड़ पचास लाख मात्र)

Anil Prakash